एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर-2016
थियेटर
नाट्य सिद्धान्त एवं शैलियों का अध्ययन
प्रथम प्रश्नपत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- प्रथम खण्ड की पाँचों इकाईयों से एक-एक प्रश्न हल करना है । द्वितीय खण्ड का प्रश्न अनिवार्य है ।

खण्ड-अ 5x5=25

इकाई-I 1. भरतमुनि के नाट्य सिद्धान्त की विवेचना कीजिये ।

अथवा

ग्रीक नाट्य सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिये ।

इकाई-II 2. एब्सर्ड रंगमंच पर एक लेख लिखिये ।

अथवा

फ़िजिकल रंगमंच का विश्लेषण कीजिये ।

इकाई-III 3. थर्ड थियेटर की विवेचना कीजिये ।

अथवा

नुक्कड़ नाटक के संदर्भ में इप्टा के योगदान की समीक्षा कीजिये ।

इकाई-IV 4. कहानी के रंगमंच पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

यथार्थवादी शैली पर एक लेख लिखिये ।

इकाई-V 5. आचार्य भरत तथा स्तानिस्लाव्सकी के अभिनय सिद्धान्तों की तुलना कीजिये ।

अथवा

आचार्य भरत तथा ब्रेख़्त के अभिनय सिद्धान्तों की तुलना कीजिये ।

खण्ड-ब 2x2=4

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखियेः-

1. विरेचन का सिद्धान्त
2. क्रूरता का रंगमंच
3. नाट्यशास्त्र
4. पुअर थियेटर

खण्ड-स 1x6=6

निम्नलिखित में से किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-

1. विरेचन का सिद्धान्त----ने दिया है ।
2. रस निष्पत्ति का संबंध-----से है ।
3. वेटिंग फॉर गोदो के लेखक----हैं ।
4. पुअर थियेटर की अवधारणा----- की है ।
5. पगला घोड़ा के लेखक----- हैं ।
6. कहानी का रंगमंच के प्रणेता-----हैं ।
7. 'क्रूरता का रंगमंच' के प्रणेता-----हैं ।
8. गुड़ियाघर एक----नाटक है ।
9. ब्रेख़्त ने-----का सिद्धान्त दिया है ।
10. *एन एक्टर प्रिपेयर्स* के लेखक------हैं ।

xx